अमर उजाला Amar Ujala 14/July/05 • कांगड़

ननाहार-कंडी गांवों का कायाकल्प करेगा ट्रस्ट

गद्दी समुदाय के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए योजना शुरू

कार्यालय प्रतिनिधि

पालमपुर (कांगड़ा)। गद्दी समुदाय के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए एसएम चैरिटेबल ट्रस्ट ने विकास की दृष्टि से अति पिछड़े दो गांवों ननाहार-कंडवाड़ी तथा कंडी में स्वास्थ्य व शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के लिए इन गांवों को अपनाया है। गद्दी समुदाय के जीर्णोद्धार के लिए 'ट्रस्ट-प्रीवेल' नामक परियोजना के माध्यम से इन दो गांवों में अस्पताल, वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूल तथा सामुदायिक केंद्रों का निर्माण होगा।

एसएम चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रीवेल परियोजना का मुख्य लक्ष्य गद्दी जाति की महिलाओं में जागरूकता के साथ-साथ रोजगार के साधन मुहैया करवाना है। यह संस्था अपने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए इन गांवों की महिलाओं व लड़कियों को सिलाई-कढ़ाई का मुफ्त प्रशिक्षण दे रही है। साथ ही दोनों गांवों में मोबाइल चिकित्सा वैनों से जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य सुविधा समय-समय पर दी जा रही है।

परियोजना के तहत शीघ्र ही ननाहार व कंडी में चिकित्सालय व स्कूल का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं को रोजगार मुहैया करवाने के लिए संस्था हथकरघा उद्योग भी इन गांवों में स्थापित करेगी। संस्था का मानना है कि सुविधाओं के साथ पिछड़ी जाति की महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों बारे भी जानकारी दी जाएगी, ताकि महिलाएं सरकार के समक्ष अपनी समस्याओं को उठाने में सक्षम हो सकें।

पहल

- **गांवों में अस्पताल, स्कूल, सामुदायिक केंद्र बनेंगे**
- **महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का मुफ्त प्रशिक्षण**

इसी कवायद में ननाहार गांव में 30 औरतों के एक समूह को अधिकार जागरूकता प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसकी सार्थकता भी अब दिखने लगी है। इन महिलाओं ने पुरुषों में नशा निवारण व बढ़ती शराबखोरी की आदत को रोकने के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

इसके साथ ही वन प्रबंधन में भी यह समूह खाली वन भूमि में वृक्षारोपण कर अपनी भूमिका निभा रहा है। ननाहार की प्रधान कमला देवी व कंडी के प्रधान निक्कू राम मानते हैं कि परियोजना के शुरुआती दौर से ही इसकी सार्थकता दिखनी शुरू हो गई है। उनका कहना है कि जब तक औरतों को उनके अधिकारों से अवगत नहीं करवाया जाता, तब तक बिरादरी का उत्थान नहीं हो सकता।

उन्होंने बताया कि संस्था उनके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा व हथकरघा उद्योग भी जल्द शुरू करने वाली है जिसका लाभ न केवल सामाजिक रूप से बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी होगा।

इस संबंध में परियोजना के क्षेत्रीय प्रबंधक संजय भारद्वाज ने बताया कि प्रीवेल परियोजना के माध्यम से गद्दी बहुल क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा व महिला रोजगार के नए आयाम शुरू किए जाएंगे।

इसके लिए कंडी व ननाहार में काम शुरू कर दिया गया है। इन गांवों में सामुदायिक भवन, अस्पताल व शिक्षण संस्थान बनाए जाएंगे। इसके अलावा हथकरघा उद्योग के माध्यम से महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुरुआती तौर पर महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ गांवों में दिल्ली से पहुंचे डाक्टरों द्वारा स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है।

चंबा में जिला रोजगार कार्याल

एस्टीमेट प्राक्कल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश सर्वे एसोसिएशन की जिला इकाई ने बैठक कर निर्णय लिया कि कोई सर्वेयर ड्यूटी से हटकर एस्टी प्राक्कलन का कार्य नहीं क एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने का अगर विभाग का कोई भी अधिकारी करता है तो उसका विरोध किया जा

सर्वेयर एसोसिएशन ने धर्म विश्राम गृह में बैठक के दौरान किया कि सभी सर्वेयर प्रमुख अ लोक निर्माण विभाग शिमला

Press Cutting 14/July/05
Amar Ujala

Sanjay
SMCC Palampur